बरेली, सोमवार
10 मार्च, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण inext

PAGE NO : 05 BOTTOM

बौरी है अम्बुवा की डाल गीत फूटे फागुन के

गायन, कथक और भरतनाट्यम की त्रिवेणी से निकले फाल्गुन के रंग

होली गीतों को किया पेश.

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (9 March): श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में रविवार को गायन, कथक और भरतनाट्यम की त्रिवेणी से फाल्गुन के रंग निकले. तीनों विधाओं के गुरुओं ने होली गीतों को अपनी-अपनी विधाओं में प्रस्तुत किया. इसमें गायन के विद्यार्थियों और इंस्ट्रूमेंट गुरुओं ने भी उनका साथ दिया और श्रोताओं व दर्शकों को होली के रंगों से भिगोने में कोई कसर नहीं छोड़ी. कार्यक्रम 'फाल्गुन के रंग' का आरंभ रिद्धिमा के गायन के विद्यार्थियों ने किया. विद्यार्थियों ने होली गीत रसिया को नार बनाओरी और पिचकारी न चलाओ गिरधारी ललना को अपने सुमधुर स्वरों में प्रस्तुत कर श्रोताओं को रंगों में भिगोना शुरू किया. दोनों होली गीतों को अपर्णा मिश्रा, अंशुमा अग्रवाल, अर्चना त्यागी, सोनम ग्वाल, आर्या राजगढ़िया, त्रिषिका बिष्ट, अर्नव कन्नौजिया, रियांश अग्रवाल, सार्थक कठेरिया, विश्वान गुप्ता और अश्वथ कपूर ने आवाज दी. गायन गुरु शालिनी पांडेय ने होली कनक भवन में खेलत सिया रघुवीर, गुरु प्रियंका ग्वाल ने बौरी है अम्बुवा की डाल गीत फूटे फागुन के, इंदू परडल ने पिया तोसे नैना लागे रे गाकर श्रोताओं पर फाल्गुन रंगत और चढ़ाई. गुरु तनाया भट्टाचार्य ने भरतनाट्यम के जरिये बसंत की खुशबू बिखेरी तो गुरु अंशु शर्मा ने खेले बृज में होली को कथक के जरिये प्रस्तुत किया. गुरु रोबिन ए ने महाकवि जयदेव रचित अष्टपदी हरि रिहा मुग्धा वाद्य को भरनाट्यम के जरिये प्रस्तुत किया. गुरु रियाश्री चटर्जी ने बैठकी राग में मैं तो खेलूंगी उनही से होरी गुईयां को प्रीत रंग में और गुरु देवज्योति नस्कर ने खेलत होली मदनगोपाल को कथक में प्रस्तुत कर दर्शकों को होली के रंगों से सराबोर कर दिया. इस मौके पर ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, उषा गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. रीटा शर्मा सहित शहर के गणमान्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे.